दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

२३ वर्षीय विवाहित महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बीड, २५ अप्रैल (प्रतिनिधि) - शहर के चर्चाटा फाटा इलाके में रहने वाली एक २३ वर्षीय विवाहित महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना शुक्रवार, २५ अप्रैल की सुबह सामने आई। आत्महत्या के कारण का अब तक खुलासा नहीं हो पाया है। घटना की जानकारी मिलते ही बीड ग्रामीण पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा किया।

मृतका का नाम वैष्णवी किशोर बहिर (उम्र २३ वर्ष) निवासी शिरापूर, हाल मुकाम चर्चाटा फाटा है। शुक्रवार की सुबह उन्होंने अपने घर में फांसी लगाकर जीवन समाप्त कर लिया।

पुलिस के अनुसार, मृतका के परिवार में एक बेटी, एक बेटा और पति हैं। घटना की सूचना मिलते ही बीड ग्रामीण पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की। फिलहाल महिला द्वारा आत्महत्या किए जाने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-१ ला अंक-२६६ वा शनिवार २६ एप्रिल २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

पहलगाम हमले में सुरक्षा चूक स्वीकार कर तुरंत सुधार करे केंद्र सरकार-शरद पवार

रिपोर्ट: जमीर काज़ी । मुंबई, २५ अप्रैल

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने कहा है कि केंद्र सरकार को पहलगाम आतंकवादी हमले को गंभीरता से लेना चाहिए और सुरक्षा व्यवस्था में मौजूद खामियों को स्वीकार कर जल्द से जल्द सुधारात्मक कदम उठाने चाहिए।

शुक्रवार को पत्रकारों से बात करते हुए पवार ने कहा, सरकार की ओर से बार-बार कहा जाता था कि हमने आतंकवाद को खत्म कर दिया है, लेकिन पहलगाम की घटना से स्पष्ट है कि कहीं न कहीं सुरक्षा में कमी रही है। सरकार को यह कमी मानते हुए तात्कालिक कदम उठाने चाहिए। इस कार्य में जनता और विपक्ष का सहयोग रहेगा।

उन्होंने कहा कि उन्होंने पहलगाम हमले में घायल लोगों से मुलाकात की है और उनके हालचाल लिए हैं। इस दौरान पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा,

सरकार इस हमले को गंभीरता से ले। कश्मीर में जो हुआ है, उसे पूरे देश को एकमत होकर देखना चाहिए। इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। आतंकवादियों का हमला भारत के खिलाफ है। जब कोई देश विरोधी कार्य होता है तो उसमें राजनीति का स्थान नहीं होना चाहिए।

शरद पवार ने बताया कि इस मुद्दे पर केंद्र सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में सुप्रिया सुले ने राष्ट्रवादी कांग्रेस की ओर से हिस्सा लिया।

उन्होंने आगे कहा,

हमले के बाद यह चर्चा हो रही है कि पर्यटक हिंदू थे, इसलिए उन्हें गोली मारी गई। लेकिन इसका कितना सत्य है, मुझे नहीं पता। मैं एक पीड़ित महिला के घर गया था, उन्होंने बताया कि महिलाओं को हाथ नहीं लगाया गया, सिर्फ पुरुषों को निशाना बनाया गया।

फडणवीस का जवाब: पवार उन महिलाओं की बातें सुनें

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शरद पवार के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा,

मैंने शरद पवार का बयान नहीं सुना, लेकिन जिन्होंने अपने परिजन खोए हैं और जो स्वयं घटना स्थल पर मौजूद थे, उनकी बात मैंने सुनी है। अगर पवार साहब की कोई राय है तो उन्हें खुद उन महिलाओं से मिलकर उनकी बातें सुननी चाहिए।

बीड़ में पहली बार ओपन हार्ट सर्जरी!

पैराडाइज हॉस्पिटल के डॉ.सिद्दीक अहमद की ऐतिहासिक सेवा

बीड़, प्रतिनिधि:

बीड़ जिले के पैराडाइज हॉस्पिटल में पहली बार ओपन हार्ट सर्जरी सफलतापूर्वक की गई है। इस ऐतिहासिक चिकित्सा उपलब्धि का श्रेय डॉ. सिद्दीक अहमद और उनकी टीम को जाता है, जिन्होंने अत्यंत जटिल सर्जरी को सफलता के साथ पूरा किया। इस ऑपरेशन के साथ बीड़ जिले ने चिकित्सा के क्षेत्र में एक नई ऊंचाई हासिल की है।

डॉ. सिद्दीक अहमद की यह ऐतिहासिक उपलब्धि न केवल बीड़ के लिए गर्व की बात है, बल्कि पूरे मराठवाड़ा क्षेत्र के लिए प्रेरणा स्रोत भी बन गई है। अब तक हार्ट सर्जरी के लिए लोगों को पुणे, मुंबई या हैदराबाद जैसे बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था, लेकिन अब यह सुविधा बीड़ में ही उपलब्ध हो गई है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यह ऑपरेशन योजनाबद्ध तरीके से, अत्याधुनिक तकनीक और अनुभवी डॉक्टरों की देखरेख में किया गया। मरीज की हालत अब स्थिर बताई जा रही है और वह तेजी से स्वस्थ हो रहा है।

चिकित्सा क्षेत्र के जानकारों ने इसे एक मील का पत्थर बताया है। अब जिले में ही हार्ट सर्जरी की सुविधा उपलब्ध होने से आम लोगों को समय और पैसों की भी बचत होगी।

डॉ. सिद्दीक अहमद ने कहा:

यह बीड़ के लिए एक नई शुरुआत है। हमारी टीम ने कड़ी मेहनत और पूरी निष्ठा से यह ऑपरेशन किया है। आने वाले समय में और भी जटिल सर्जरी बीड़ में संभव होंगी।

यह उपलब्धि बीड़ जिले के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम माना जा रही है।

डॉ. आंबेडकरने उपेक्षितों की प्रगति के लिए लड़ा संघर्ष-पप्पू कागदे

बीड, २५ अप्रैल (प्रतिनिधि) - भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने जाति प्रथा को खत्म करने और उपेक्षित वर्ग को उनके अधिकारों और हक का बोध कराने के लिए संघर्ष किया। भारतीय संविधान की रचना कर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ किया। यह विचार युवा रिपब्लिकन पार्टी (युवा रिपाइं) के प्रदेशाध्यक्ष तथा बीड जिलाध्यक्ष पप्पू कागदे ने व्यक्त किए।

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की १३४वीं जयंती के अवसर पर तलवाडा, घाटसावळी, पारगांव (सि.), नाळवंडी और ताडसोन्ना गांवों में आयोजित कार्यक्रमों में पप्पू कागदे ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने हजारों वर्षो की गुलामी समाप्त कर अठारह पगड जातियों के समाज बंधुओं को आत्मसम्मान के साथ खड़ा करने के लिए संविधान में विशेष प्रावधान किए, जिससे उन्हें न्याय और अधिकार मिल सके।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री बदामराव पंडित, किशोर कांडेकर, किसन तांगडे, शाहू डोळस, सुभाष तांगडे, संजय गव्हाणे, भैय्या भालेराव, आप्पा भालेराव, सुनील कांडेकर, भाऊसाहेब भालेराव, विजय डोंगरे, अशोक आठवले, विनोद आठवले, आंबादास आठवले, युवराज डोंगरे, गीताराम डोंगरे, माऊली डोंगरे, नामदेव वाघमारे, विनोद तांगडे, प्रदीप तांगडे, धम्मा तांगडे, बाळासाहेब भालेराव, राजेंद्र भालेराव, अभिमान भालेराव, श्रीमंत जाधव, मसू जाधव, कचरू डावकर, अमोल जाधव, अमोल डावकर और बबन डावकर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पहलगाम हमले के खिलाफ मुंबई में जबरदस्त प्रदर्शन

मुंबई, २५ अप्रैल (अजीज अइज़ाज) - पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के खिलाफ आज मुंबई के दिल में स्थित मीनारा मस्जिद के बाहर रेज़ा अकादमी द्वारा एक जबरदस्त विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। प्रदर्शनी स्थल की हवा लगातार आतंकवाद मुर्दाबाद और देशद्रोहियों को नष्ट करो जैसे नारों से गूंजती रही।

इस अवसर पर रेज़ा अकादमी के अध्यक्ष हाजी सईद नूरी ने जोश से भारत सरकार से अपील करते हुए कहा:

अब आतंकवादियों को मिटा देने का समय आ चुका है। सरकार को और अधिक देरी किए बिना सख्त कदम उठाना होगा। उन्होंने कहा कि देश के दुश्मन अब खुलकर चुनौती दे रहे हैं, इसलिए उन्हें मुँह तोड़ जवाब देना अब अनिवार्य हो गया है।

मशहूर धर्मगुरु मौलाना इज्जाज अहमद कश्मीरी ने मीडिया को आलोचना का निशाना बनाते हुए कहा:

आतंकवादियों का कोई धर्म नहीं होता। मीडिया को चाहिए कि वह आतंकवाद को किसी विशेष धर्म से जोड़कर नफरत फैलाने का काम न करे। ऐसे रवैये देश की एकता और अखंडता के लिए खतरनाक हैं।

यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण था, हालांकि प्रदर्शनकारियों ने सरकार से कड़ी नाराजगी जताते हुए अपील की कि वह आतंकवाद के पूर्ण सफाए के लिए प्रभावी कार्रवाई करें ताकि भविष्य में ऐसी लेरीवश्रू घटनाएँ न हो सकें।

'फेम' के प्रतिनिधि की माइनॉरिटी कमिशन के चेयरमैन से मुलाक़ात, उर्दू स्कूलों की समस्याएं प्राथमिकता से सुलझाने का आश्वासन

मुंबई (संवाददाता) - शिक्षा से जुड़ी संस्था 'फेम' के स्टेट कोऑर्डिनेटर शब्बीर शाकिर ने महाराष्ट्र राज्य अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन प्यारे ख़ान से मुलाक़ात कर उर्दू माध्यम के स्कूलों से जुड़े विभिन्न शैक्षणिक मुद्दों पर चर्चा की।

इस अवसर पर चेयरमैन प्यारे ख़ान ने उर्दू स्कूलों की गुणवत्ता और अस्तित्व को लेकर सकारात्मक बातें रखते हुए कहा कि उर्दू स्कूलों में सेमी इंग्लिश प्रणाली को लागू करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि प्रारंभिक स्तर पर ही छात्र गणित और विज्ञान जैसे विषय अंग्रेज़ी में पढ़ सकें। इससे छात्रों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता भी बढ़ेगी। प्यारे ख़ान ने शिक्षकों की नियुक्ति में भ्रष्टाचार पर चिंता जताते हुए कहा कि एक ओर शिक्षकों का शोषण हो रहा है तो दूसरी ओर सरकारी अधिकारी भारी रिश्वतखोरी में लिप्त हैं। ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ सख़्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उर्दू स्कूलों की समस्याओं को प्राथमिकता पर हल करना उनकी ज़िम्मेदारी है। इस संदर्भ में शब्बीर शाकिर ने कहा कि माइनॉरिटी कमिशन के चेयरमैन प्यारे ख़ान ने हमारी बातों को गंभीरता से सुना और समाधान का आश्वासन दिया।

बहादुर नौजवान सैयद आदिल की शहादत को सलाम, डिप्टी सीएम शिंदे ने परिवार को दी ५ लाख की मदद

मुंबई, २५ अप्रैल (रिपोर्ट: अज़ीज़ अइजाज़)

पहलगाम आतंकी हमले में पर्यटकों को बचाते हुए जान गंवाने वाले २० वर्षीय कश्मीरी नौजवान सैयद आदिल हुसैन शाह की बहादुरी को सलाम करते हुए महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उनके परिवार को ५ लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की है।

सैयद आदिल पेशे से घोड़ा चलाने का काम करते थे और पहलगाम में पर्यटकों को घुड़सवारी कराते थे। हमले के दिन वे एक पर्यटक के साथ थे, तभी आतंकियों ने हमला किया। आदिल ने निडर होकर आतंकियों का सामना किया और एक आतंकी से राइफल छीनने की कोशिश की, लेकिन आतंकियों ने उन्हें गोली मार दी, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए सैयद आदिल के परिजनों से बात की और उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने शिवसेना के कार्यकर्ताओं और सरहद संस्था के प्रतिनिधियों के माध्यम से पहलगाम पहुंचकर सैयद के घरवालों को ५ लाख रुपये की मदद मनी ऑर्डर के रूप में भिजवाई।

हमले के बाद राज्य के कई पर्यटक जम्मू-कश्मीर में फंसे हुए थे। उनकी स्थिति का जायज़ा लेने के लिए उपमुख्यमंत्री शिंदे श्रीनगर पहुंचे और एयरपोर्ट के पास बने कैंप में जाकर महाराष्ट्र के सभी फंसे हुए पर्यटकों से मुलाकात की। उन्होंने पर्यटकों का हालचाल लिया और उन्हें हिम्मत दी।

इस दौरान हमले से बचे पर्यटकों ने डिप्टी सीएम को बताया कि कैसे सैयद आदिल ने अदम्य साहस और इंसानियत का परिचय दिया। उन्होंने बताया कि जब हमला हुआ,

आदिल ने बिना डरे सामने से आतंकियों का विरोध किया, एक राइफल छीनने की कोशिश की और दूसरों की जान बचाने के लिए आगे बढ़े। इसी बीच उन्हें गोली मारी गई और वे शहीद हो गए।

इन बयानों को गंभीरता से लेते हुए शिंदे ने मौके पर ही सैयद आदिल के परिवार को आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया और उसी समय मदद भिजवाई। वीडियो कॉल पर आदिल के भाई ने उन्हें बताया कि कैसे आदिल ने आतंकियों का सामना किया, राइफल छीनी और कैसे उन्हें गोलियों से मार दिया गया।

महाराष्ट्र सरकार ने सैयद आदिल की इस बहादुरी को देश के लिए गर्व की बात बताया है और कहा है कि उनकी शहादत को कभी भुलाया नहीं जाएगा। यह शहादत इंसानियत, बहादुरी और देशभक्ति की मिसाल है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

कॉमेडियन कुणाल कामरा को मिली राहत, हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी से दी अंतरिम छूट

रिपोर्ट: जमीर काज़ी । मुंबई, २६ अप्रैल

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर व्यंगात्मक गाना पेश करने के मामले में कॉमेडियन कुणाल कामरा को मुंबई हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने शुक्रवार को आदेश देते हुए कहा कि जब तक आरोपपत्र दाखिल नहीं होता, तब तक कामरा की गिरफ्तारी नहीं की जाएगी। साथ ही पुलिस को निर्देश दिया गया कि यदि आवश्यक हो तो चेन्नई जाकर उनका बयान दर्ज किया जाए।

हालांकि, कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर अभी भी कायम है और मामले की जांच जारी रहेगी।

हाईकोर्ट ने पहले १६ अप्रैल को कामरा को गिरफ्तारी से अंतरिम राहत दी थी, वहीं मद्रास हाईकोर्ट ने भी १७ अप्रैल तक उन्हें गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण दिया था।

अपनी याचिका में कामरा ने बताया कि वे तमिलनाडु के निवासी हैं और शो के बाद से उन्हें लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं, जिससे वे महाराष्ट्र आने से डर रहे हैं। इसके आधार पर कोर्ट ने पुलिस को चेन्नई जाकर पूछताछ की अनुमति दी। मामला मुंबई के एक कॉमेडी शो से जुड़ा है, जिसमें कुणाल कामरा ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को व्यंग्यपूर्वक गद्दार कहा था। उन्होंने फिल्म दिल तो पागल है के एक गाने की पैरोडी करते हुए यह टिप्पणी की थी। इस शो के बाद शिंदे गुट के कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम स्थल पर तोड़फोड़ भी की थी। एफआईआर शिंदे गुट के विधायक मुरजी पटेल की शिकायत पर दर्ज की गई थी।

कामरा के वकीलों ने कोर्ट में कहा, पुलिस ने जिन धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की है, वे कानून की दृष्टि से गलत हैं। यह मामला 'रेअरेस्ट ऑफ रेयर' की श्रेणी में नहीं आता। मुरजी पटेल द्वारा की गई शिकायत हास्यास्पद है, क्योंकि खुद एकनाथ शिंदे या उनकी पार्टी ने कोई शिकायत नहीं की है। इस एफआईआर को सत्ता का दुरुपयोग कहा जा सकता है, क्योंकि न तो इस मामले में प्राथमिक जांच की गई, और न ही किसी तरह की निष्पक्ष पूछताछ।

कोर्ट ने इन दलीलों को सुनने के बाद यह निर्देश दिया कि जब तक आरोपपत्र दाखिल नहीं होता, तब तक कामरा की गिरफ्तारी न की जाए।

तस्वीर नामा-बीर देव

संग मवेशियों के देखा था सपना.
कांधे पे सज़े गा मेडल कभी अपना।
प्यास, धूप, जंगल जंगल रास्ते.
काम आया मंजिल पर नज़र रखना।

काजी मखदूम

पुलिस निरीक्षक सुनील नागरगोजे सेवा से बर्खास्त

बीड, २५ अप्रैल (प्रतिनिधि) – बीड़ पुलिस नियंत्रण कक्ष में नियुक्त पुलिस निरीक्षक सुनील नागरगोजे को महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक ने सेवा से बर्खास्त कर दिया है। इससे पूर्व सहायक पुलिस उपनिरीक्षक रणजीत कसले पर भी कार्रवाई हो चुकी है। लगातार दूसरी बड़ी कार्रवाई से बीड़ जिला पुलिस महकमे में खलबली मच गई है।

सूत्रों के अनुसार, सुनील नागरगोजे पहले लातूर में स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) के प्रमुख के रूप में कार्यरत थे। बाद में उन्हें बीड़ जिले की स्थानीय अपराध शाखा में भी कार्यभार लेने की इच्छा थी, जिसके लिए उन्होंने लॉबिंग की, परंतु उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली।

इसके बाद नागरगोजे ने सक्रिय सेवा में रहने के बजाय बीड़ में लंबे समय तक चिकित्सा अवकाश (सिक लीव) पर जाने का निर्णय लिया। इस दौरान उनके व्यवहार को लेकर गंभीर आरोप सामने आए, जिनमें तत्कालीन पुलिस अधीक्षक को गाली-गलौच करना, कार्यालयीन स्टाफ को धमकी देना, और लगातार अनुपस्थित रहना शामिल है। इन सभी मामलों की रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय को भेजी गई थी, जिसके आधार पर पुलिस महानिदेशक ने उन्हें सेवा से बर्खास्त करने का निर्णय लिया। पिछले आठ से दस दिनों में यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है, जिससे पुलिस विभाग में अनुशासन और जवाबदेही को लेकर एक सख्त संदेश देने की कोशिश की गई है।

दहशतवादियों का निशाना हिंदू नहीं, बल्कि भारतीय थे-राहुल डंबाळे

पुणे से विशेष प्रतिनिधि

पुजारियों व पर्यटकों पर हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले की तीव्र निंदा करते हुए नॅशनल कॉन्फरन्स फॉर मायनॉरिटी के अध्यक्ष राहुल डंबाळे ने कहा कि आतंकवादियों का मकसद हिंदुओं को नहीं, बल्कि भारतीयों को निशाना बनाना था। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार की घटनाओं के आधार पर हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण की कोशिश करने वालों और आतंकवादियों के इरादे समान हैं।

यह वक्तव्य पुणे कॅम्प स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के पश्चात आयोजित कैंडल मार्च और विरोध प्रदर्शन में दिया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन नॅशनल कॉन्फरन्स फॉर मायनॉरिटी की ओर से किया गया था, जिसमें सैकड़ों नागरिकों ने हिस्सा लिया।

इस मौके पर पूर्व उपमहापौर डॉ. सिद्धार्थ धेंडे और रशीद शेख ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ केंद्र सरकार की कार्रवाई का हम समर्थन करते हैं और हत्यारों को कड़ी सजा दी जानी चाहिए। साथ ही, पाकिस्तान जो कि लगातार आतंकवाद को पनाह दे रहा है, उस पर भी कठोर प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अगर इस घटना में सुरक्षा में चूक हुई है, तो दोषियों पर अवश्य कार्रवाई की जाए।

अंजुम इनामदार ने कहा कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को भारत का कोई मुसलमान बर्दाश्त नहीं करेगा। भारत में हिंदू और मुसलमान एकजुट रहते हैं और एक-दूसरे की मदद करते हैं। इस प्रकार की आतंकी घटनाओं से पाकिस्तान अपने मंसूबों में कामयाब नहीं होगा।

इस विरोध कार्यक्रम में पुणे महानगरपालिका के पूर्व नगरसेवक रशीद शेख, पूर्व उपमहापौर डॉ. सिद्धार्थ धेंडे, पूर्व नगरसेवक राहुल तुपेरे, मुक्तार शेख, परशुराम वाडेकर (रिपब्लिकन पार्टी), कारी इद्रीस, जाहीद शेख, मुनव्वर कुरैशी, जुबेर मेमण, सुफियान कुरैशी, अहमद सय्यद, सलिम मौला पटेल, अंजुम इनामदार, लुकस केदारी, खिसाल जाफरी, सुवर्णा डंबाळे, स्नेहा माने, इब्राहीम यवतमाळवाला, सिद्धांत सुर्वे, राम डंबाळे, सत्यवान गायकवाड, शाकीर शेख, अश्पाक शेख, राहुल नागटिळक, स्वाती गायकवाड और अर्चना केदारी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कार्यक्रम का आयोजन स्नेहाताई माने, शहाबुद्दीन शेख, आसिफ शेख और प्रतिक डंबाळे ने किया।

देश शोक मना रहा है और भाजपा नेता कर रहे हैं सत्कार समारोह: अतुल लोंढे का सवाल

मुंबई, २५ अप्रैल । विशेष प्रतिनिधि

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में २६ निर्दोष पर्यटकों की हत्या के बाद पूरा देश शोक में डूबा हुआ है। इस हृदयविदारक घटना से जनमानस में तीव्र आक्रोश है। लेकिन इस दुखद समय में भारतीय जनता पार्टी के नेता और मंत्री सत्कार समारोह आयोजित कर रहे हैं, जिसे लेकर महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता अतुल लोंढे ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

लोंढे ने सवाल उठाया कि – जब देश शोक मना रहा है, तब भाजपा नेताओं को सत्कार समारोह करते समय शर्म क्यों नहीं आती?

उन्होंने जानकारी दी कि २६ अप्रैल को अमरावती में भाजपा नेताओं का भव्य नागरिक सत्कार समारोह आयोजित किया गया है, जो छत्रपति शिवाजी महाराज सभागृह में हो रहा है। इस कार्यक्रम में विधान परिषद के सभापति राम शिंदे, मंत्री दत्ता भरणे, विधायक गोपीचंद पडळकर और अन्य भाजपा नेता शामिल हैं।

लोंढे ने कहा कि पहलगाम हमले में महाराष्ट्र के ६ पर्यटकों की मृत्यु हुई है। उनकी चिताओं की राख भी अभी ठंडी नहीं हुई है। उनके घरों में आज भी शोक का वातावरण है, लेकिन भाजपा नेता माला पहन रहे हैं, स्वागत करवा रहे हैं – क्या यही भाजपा की संस्कृति है?

अतुल लोंढे ने यह भी कहा कि राम शिंदे एक संवैधानिक पद पर हैं – उन्हें न सही, तो कम से कम मन से कुछ संवेदनशीलता दिखानी चाहिए थी। ऐसे समय में छत्रपति शिवाजी महाराज और राजमाता अहिल्यादेवी होळकर के आदर्शों को याद करना चाहिए था।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा – दूसरे के घर में दुख है, इसका इन भाजपा नेताओं से कोई लेना-देना नहीं है।

बस अड्डे पर अश्लील हरकत करने वाला न्यायालय कर्मचारी निलंबित

बीड, २५ अप्रैल (प्रतिनिधि) – बीड़ जिला न्यायालय में कार्यरत एक शिपाई द्वारा बस स्थानक पर महिलाओं के प्रति की गई अश्लील हरकत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद संबंधित कर्मचारी को तत्काल सेवा से निलंबित कर दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी का नाम शंकर अंबादास किरवले है। २१ अप्रैल को बीड़ के बस अड्डे पर शंकर ने महिलाओं को देखकर आपत्तिजनक कृत्य किया था, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

इस मामले में शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा ७९, ७५ (१)(४) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्रथम सूचना रिपोर्ट (ऋखठ) और अन्य संबंधित दस्तावेज जिला न्यायालय को सौंप दिए गए हैं।

घटना की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय प्रशासन ने शंकर अंबादास किरवले को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही, आरोपी के खिलाफ विभागीय अनुशासनात्मक कार्यवाही भी शुरू कर दी गई है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि न्यायिक सेवा से जुड़े कर्मियों द्वारा ऐसा अनुचित आचरण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में केडगांव के मुस्लिम समाज का शांतिपूर्ण प्रदर्शन

काली पट्टी बांधकर जुमे की नमाज़ अदा की, शहीदों को दी श्रद्धांजलि

अहमदनगर (रिपोर्ट: समीर मनियार)

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के विरोध में शुक्रवार को केडगांव स्थित शाही जामिया मस्जिद के मुस्लिम समाज की ओर से काली पट्टी बांधकर नमाज़ अदा की गई और हमले में शहीद हुए नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर हाजी अकबर पठान, मौलाना हाजी आज़ाद रज़ा, हाजी उस्मान मणियार, क़ासिम शेख, नज़ीर पीरजादे, मेहबूब सैय्यद, अब्दुल शेख, मुन्ना सैय्यद, आतिश पठान, जावेद पठान, हमीद सैय्यद, रफ़ीक शेख, ज़ाकिर पठान, शब्बीर शेख, अब्दुलभाई अंडेवाले, अमजद खान, मोहम्मद पेंटर, साबिर पठान सहित बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग उपस्थित थे। मालूम हो कि पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा भारतीय पर्यटकों पर क्रूरतापूर्वक हमला किया गया था, जिसमें अब तक २७ से अधिक भारतीय नागरिकों की मृत्यु हो चुकी है।

इस दर्दनाक घटना की कड़ी निंदा करते हुए हाजी उस्मान मणियार ने कहा कि यह मानवता पर कलंक है और आतंकवादियों को जवाब देने के लिए केंद्र सरकार को कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान को सबक सिखाना आवश्यक है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

समाज की ओर से इस शांति पूर्ण विरोध के माध्यम से आतंकवाद के खिलाफ एकता और संवेदना का संदेश दिया गया।

मालेगांव सहित राज्य के कई जिलों में ईडी की छापेमारी से सनसनी

जाली जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्रों की जांच में बड़ी कार्रवाई

मुंबई, २५ अप्रैल (अज़ीज़ अइजाज़) – प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में जारी किए गए जाली या फर्जी देरी से बने जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्रों से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आज मालेगांव के ९ स्थानों पर छापेमारी की कार्रवाई की।

बताया जा रहा है कि यह तलाशी अभियान महाराष्ट्र के नासिक, यवतमाल, बुलढाणा और अमरावती जैसे जिलों में जारी किए गए जाली प्रमाणपत्रों से जुड़ा है, जिनका कथित तौर पर अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों द्वारा भारतीय पहचान स्थापित करने के लिए उपयोग किया गया था।

सूत्रों के अनुसार, ईडी ने इन्फोर्समेंट केस इंफॉर्मेशन रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज करने के बाद यह कार्रवाई शुरू की। यह रिपोर्ट राज्य के विभिन्न हिस्सों में दर्ज १६ प्राथमिकी (एफआईआर) पर आधारित है।

तलाशी अभियान फिलहाल केवल मालेगांव तक सीमित था और इसमें सरकारी अधिकारियों और निजी व्यक्तियों के परिसरों को निशाना बनाया गया, जिनके पास या तो फर्जी जन्म प्रमाणपत्र थे या जिन्होंने अपने रिश्तेदारों के लिए झूठे मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाए थे। माना जा रहा है कि इन दस्तावेजों का इस्तेमाल कानूनी या वित्तीय लाभ के लिए किया गया। ईडी का मानना है कि इस प्रकार की जाली दस्तावेज़ों का दुरुपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ-साथ सरकारी रिकॉर्ड्स पर जनता के विश्वास के लिए एक गंभीर खतरा है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com